केन्द्रीय विद्यालय संगठन,लखनऊ संभाग
संचयी परीक्षा **2022 – 23**
विषय **–** हिंदी **(**आधार**)**
विषय कोड **– 302**
कक्षा **–11** वीं

निर्धारित समय – 3 घंटे
अधिकतम अंक – 80

सामान्य और आवश्यक निदेश –
1. इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं – खंड'अ' और'ब' । कुल प्रश्न 14 हैं।
2. खंड 'अ' में 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें से केवल 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।
3. खंड'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं । प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं ।
4. प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए ।
5. दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
6. यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।
खड'अ' **(**वस्तुपरक प्रश्न**)**

प्रश्न **:1** निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए- **1 x 10 = 10** समस्त ग्रंथों, अनुभवीजनों का कहना है कि जीवन एक कर्मक्षेत्र है । हमें कर्म के लिए जीवन मिला है । कठिनाइयां एवं दुख और कष्ट हमारे शत्रु हैं, जिनका हमें सामना करना है और उनके विरुद्ध संघर्ष करके हमें विजयी बनना है। अंग्रेजी के यशस्वी नाटककार शेक्सपीयर ने ठीक ही कहा है कि 'कायर अपनी मृत्यु से पूर्व अनेक बार मृत्यु का अनुभव कर चुके होते हैं, किंतु वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते हैं ।'

विश्व के प्राय: समस्त महापुरुषों के जीवन वृत्त, अमेरिका के निर्माता जॉर्ज वाशिंगटन और राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन से लेकर भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन - चरित्र हमें यह शिक्षा देते हैं कि महानता का रहस्य संघर्षशीलता, अपराजेय व्यक्तित्व है । इन महापुरुषों को जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा, परंतु वे घबराए नहीं, संघर्ष करते रहे और अंत में सफल हुए । संघर्ष के मार्ग पर अकेले चलना पड़ता है। कोई बाहरी शक्ति आपकी सहायता नहीं करती है। परिश्रम, दृढ़ इच्छा शक्ति व लगन आदि व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं ।

समस्याएं वस्तुतः जीवन का पर्याय हैं, यदि समस्याएं न हों, तो आदमी प्राय: अपने को निष्क्रिय समझने लगेगा । ये समस्याएं वस्तुतः जीवन की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती हैं । समस्या को समझते समय, उसका समाधान करते समय व्यक्ति का श्रेष्ठतम तत्व उभर कर आता है । धर्म, दर्शन, ज्ञान, मनोविज्ञान इन्हीं प्रयत्नों की देन है । पुराणों में अनेक कथाएं यह शिक्षा देती हैं कि मनुष्य जीवन की हर स्थिति में जीना सीखे व समस्या उत्पन्न होने पर उसके समाधान का उपाय सोचे । जो व्यक्ति जितना उत्तरदायित्व पूर्ण कार्य करेगा, उतना ही उसके समक्ष समस्याएं आएंगी और उसके परिप्रेक्ष्य में ही उसकी महानता का निर्धारण किया जाएगा ।
दो महत्वपूर्ण तथ्य स्मरणीय हैं -प्रत्येक समस्या अपने साथ संघर्ष लेकर आती है । प्रत्येक संघर्ष के गर्भ में विजय निहित रहती है । एक प्राचार्य ने विद्यालय छोड़ने वाले अपने छात्रों को यह संदेश दिया था – 'तुम्हें जीवन में सफल होने के लिए समस्याओं से संघर्ष करने का अभ्यास करना होगा ।' हम कोई भी कार्य करें सर्वोच्च शिखर पर पहुँचने का संकल्प लेकर चलें । असफलता हमें कभी निराश नहीं करेगी । समस्त ग्रंथों और महापुरुषों के अनुभवों का निष्कर्ष यह है कि संघर्ष से डरना अथवा उससे विमुख होना लौकिक एवं पारलौकिक सभी दृष्टि से अहितकर है, मानव धर्म के प्रतिकूल है और अपने विकास को अनावश्यक रूप से बाधित करना है । आप जागिए, उठिए, दृढ़ संकल्प और उत्साह एवं साहस के साथ संघर्ष रुपी विजय रथ पर चढ़ जाइए और अपने जीवन के विकास की बाधाओं रूपी शत्रुओं पर विजय प्राप्त कीजिए ।

1- मनुष्य के जीवन में सबसे ज़रूरी क्या है**?**
(1) कठिनाइयां एवं दु:ख (2) सफलता (3) कर्मशीलता (4) यश

2- महापुरूषों का जीवन क्या संदेश देता है**?**
(1) संघर्षशीलता (2) अपराजेयता (3) संकटों का सामना करने का (4) उपर्युक्त सभी

3- जीवन का पर्याय किसे कहा गया है**?**
(1) प्रगति को (2) समस्याओं को (3) सीखने को (4) सक्रियता को

4 -मनुष्य का विकास कब रुक जाता है**?**

(1) लक्ष्य प्राप्ति के बाद (2) सफलता न मिलने पर (3) समस्याओं से पलायन करने पर (4) सर्वोच्य शिखर पर पहुँचने पर

5- 'विजय-रथ' को किसका रूप माना है **?**

(1) दृढ़ संकल्प (2) उत्साह एवं साहस (3) सकारात्मक मानसिकता (4) उपर्युक्त सभी

6- गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या होगा**?**

(1) समस्याएँ (2) संघर्ष ही जीवन है (3) मानव धर्म (4) महापुरूषों का जीवन

7- समस्याएं अपने साथ क्या लाती है**?**

(1) दृढ़ इच्छा शक्ति (2) साहस (3) संघर्ष (4) सफलता

8- संघर्ष के मार्ग पर किसकी सहायता मिलती है**?**

(1) बाहरी शक्ति से (2) मित्रों से (3) स्वयं से (4) महान लोगों से

9- समस्त ग्रन्थों एवं महापुरूषों के अनुभवों का निष्कर्ष क्या है**?**

(1) संघर्ष से डरना एवं उससे विमुख होना (2) जीवन एक कर्मक्षेत्र है (3) हमें कर्म के लिए जीवन मिला है (4) उपर्युक्त सभी

10- 'यशस्वी' का समानार्थी क्या है**?**

(1) प्रसिद्ध (2) परिश्रमी (3) श्रेष्ठ (4) उपर्युक्त सभी

प्रश्न **:2** निम्नलिखित पद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी एक पद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए **-** **1 x 5 = 5** राजा बैठे सिंहासन पर , यह ताजों पर आसीन कलम ।

मेरा धन है स्वाधीन कलम
जिसने तलवार शिवा को दी
रोशनी उधार दिवा को दी
पतवार थमा दी लहरों को
खंजर की धार हवा को दी
इस - जग के उसी विधाता ने , कर दी मेरे अधीन कलम
मेरा धन है स्वाधीन कलम ।
रस – गंगा लहरा देती है
मस्ती - ध्वज फहरा देती है
चालीस करोड़ों की भोली
किस्मत पर पहरा देती है
संग्राम – क्रांति का बिगुल यही है, यही प्यार की बीन क़लम
मेरा धन है स्वाधीन कलम ।

1- कवि ने किसे अपना धन माना है **?**

(1) तलवार को (2) पतवार को (3) कलम को (4) रोशनी को ।

2- कलम कहां आसीन है **?**

(1) सिंहासन पर (2) ताज पर (3) सत्ता पर (4) कुर्सियों पर

3-चालीस करोड़ की भोली किस्मत पर पहरा देने का क्या अभिप्राय है **?**

(1) जनता के अधिकारों को नियंत्रित करना (2) नेताओं के गुणगान करना (3) सीमा पर पहरा देना (4) सरकार की रक्षा करना

4-कलम में क्रांति करवाने की ताकत होती है-किस पंक्ति में यह भाव व्यक्त हुआ है **?**

(1) रस गंगा लहरा देना (2) रोशनी उधार दिवा को देना (3) मस्ती ध्वज फहराना (4) संग्राम क्रांति का बिगुल यही है ।

5-कविता में किसकी शक्ति का गुणगान है **?**

(1) हवा का
(2) कलम का
(3) दिवा का
(4) खंजर का

अथवा

जो बीत गई सो बात गई ।
जीवन में एक सितारा था ,

माना, वह बेहद प्यारा था,
वह डूब गया, तो डूब गया ।
अंबर के आनन को देखो,
कितने इसके तारे टूटे,
कितने इसके प्यारे छूटे,
जो छूट गए फिर कहाँ मिले
पर बोले टूटे तारो पर
कब अंबर शोक मनाता है ।

1- अंबर को क्या-क्या सहन करना पड़ता है**?**
(1) तारों का टूटना
(2) प्रियजनों से दूरी
(3) सितारों से दूरी
(4) उपरोक्त सभी
2- अंबर टूटे तारों पर शोक क्यों नही मनाता है **?**
(1)बीती बातों पर दुखी होना उचित नही
(2)अंबर तारो का टूटना रोज़ देखता है
(3)टूटना ही तारों की नियति है
(4)उपरोक्त सभी
3-'कब अंबर शोक मनाता है' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है **?**
(1)अनुप्रास
(2)यमक
(3)उपमा
(4) मानवीकरण
4-इस पद्यांश में कौन-सा छंद प्रयुक्त हुआ है **?**
(1)दोहा छंद
(2)सोरठा छंद
(3)चौपाई छंद
(4)मुक्त छंद
5-कवि ने इस पद्यांश में क्या सीख दी है **?**
(1)कभी भी निराश नही होना चाहिए
(2)प्रियजनों से बिछड़ना दुखद है
(3)जीवन कभी भी किसी के लिए रुकता नही है अत: समय के साथ परिवर्तन को स्वीकारना ही पड़ता है
(4)इस संसार के संबंध अस्थायी हैं

प्रश्न**- 3 -**निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए **-**
1 x 5 = 5

1- संचार शब्द की उत्पत्ति किस धातु से हुई है**?**
(1)चार (2)चर (3) सम (4)सं
2- समूह संचार का क्या उदहारण होगा**?**
(1)सभा (2) सम्मलेन (3)कक्षा (4)उपर्युक्तसभी
3- संचार में आने वाली बाधा को क्या कहते हैं**?**
(1)बाधा (2)एनकोडिंग (3)शोर (4)प्रतिपुष्टि
4- निम्नलिखित में से जनसंचार का कौन-सा कार्य नहीं है **?**
(1)सूचना देना (2)शिक्षित करना (3)एजेंडा तय करना (4)कानून बनाना

5- अखबार जनसंचार का कैसा माध्यम है**?**

(1)श्रव्य (2)प्रिंट (3)प्रसारण
(4)उपर्युक्त सभी

प्रश्न : **4** निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए **-**
1 x 5 = 5

पिता जी जिनको बुढ़ापा,
एक क्षण भी नहीं व्यापा,
रो पड़े होंगे बराबर,
पांचवें का नाम लेकर,

पांचवां मैं हूँ अभागा,
जिसे सोने पेर सुहागा,
पिता जी कहते रहे हैं,
प्यार में बहते रहे हैं।

1-' पिता जी को बुढ़ापा एक क्षण भी नहीं व्यापा' **–** से कवि का क्या आशय है **?**
(1)जवानी का प्रभाव नहीं
(2)बुढ़ापे का प्रभाव नहीं
(3) बचपन का प्रभाव नहीं
(4)इनमें से कोई नहीं

2-' रो पड़े होंगे बराबर**,** पाँचवें का नाम लेकर' पांचवां कौन है **?**
(1)कवि के पिता जी
(2) कवि का बड़ा भाई
(3)स्वयं कवि
(4)इनमें से कोई नहीं

3-कवि ने स्वयं को अभागा क्यों कहा है **?**
(1)वह बहुत दुखी है
(2)घर से बाहर है
(3)कारागार में है
(4)इनमें से कोई नहीं

4-कवि के अनुसार पिताजी ने किसे सोने पर सुहागा कहा है**?**
(1)लेखक को
(2)गाँव की खेती को
(3)लेखक की बहनों को
(4)इनमें से कोई नहीं

5-कविता के कवि कौन हैं**?**
(1)भवानी प्रसाद मिश्र
(2)त्रिलोचन
(3)मीरा बाई
(4)इनमें से कोई नहीं

प्रश्न : **5** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए**-**
1 x 5 = 5

किंतु अदालत में पहुँचने की देर थी । पंडित अलोपीदीन इस अगाध वन के सिंह थे । अधिकारी वर्ग उनके भक्त, अमले उनके सेवक, वकील-मुख्तार उनके आज्ञापालक अरदली, चपरासी तथा चौकीदार तो उनके बिना माल के गुलाम थे । उन्हें देखते ही लोग चारो तरफ से दौड़े । सभी लोग विस्मित हो रहे थे । इसलिए नहीं कि अलोपिदीन ने क्यों यह कर्म किया, बल्कि इस लिए कि वह कानून के पंजे में कैसे आए । ऐसा मनुष्य जिसके पास असाध्य साधन करने वाला धन और अनन्य वाचालता हो, वह क्यों कानून के पंजे में आए । प्रत्येक मनुष्य उनसे सहानुभूति प्रकट करता था । बड़ी तत्परता से इस आक्रमण के निमित्त वकीलों की एक सेना तैयार की गई । न्याय के मैदान में धर्म और धन में युद्ध ठन गया । वंशीधर चुपचाप खड़े थे । उनके पास सत्य के सिवा न कोई बल था, न स्पष्ट भाषण के अतिरिक्त कोई शस्त्र । गवाह थे, किंतु लोभ से डांवांडोल ।

1-वन का सिंह किसे कहा गया है **?**

(1)वंशीधर को

(2)चौकीदार को

(3)पंडित अलोपीदीन को

(4)इनमें से कोई नहीं

2-यहां सब किसके सेवक, आज्ञापालक और बिना माल के गुलाम थे**?**

(1)वंशीधर के

(2)वकीलों के

(3)पंडित अलोपीदीन के

(4)इनमें से कोई नहीं

3-लोगों के विस्मित होने का क्या कारण था**?**

(1)उन्होंने बुरा काम किया

(2)उन्होंने नमक चुराया

(3)वे क़ानून के पंजे में कैसे आए

(4)इनमें से कोई नहीं

4-पंडित अलोपीदीन के बचाव में क्या तैयारी की गई**?**

(1)पार्टी बनाई गई

(2)वकीलों की सेना तैयार की गई

(3)सभा बुलाई गयी

(4)इनमें से कोइ नहीं

5-मुंशी वंशीधर के पास बचाव के लिए क्या था **?**

(1)ईश्वर का सहारा

(2)सत्य का बल

(3)पिता जी का साथ

(4)इनमें से कोई नहीं

प्रश्न **: 6** वितान पूरक पुस्तक के पाठों के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उचित और सटीक विकल्प चुनकर लिखिए **–** **1 x 10 = 10**

1-विलायत खां किस वाद्य यंत्र के वादन के क्षेत्र में अपने पिता की तुलना में बहुत आगे निकल गए**?**

(1)तबला वादन

(2) बांसुरी वादन

(3) सितार वादन

(4) ढोलक वादन

2-लता के पहले प्रसिद्ध गायिका **----------**का चित्रपट संगीत में अपना ज़माना था, परंतु लता उनसे आगे निकल गईं ।

(1) नूरजहां (2) आशा भोंसले (3) श्रेया घोषाल (4) इनमें से कोई नहीं

3-लता की गायिकी में किस प्रकार का ‘ गानपन ’ मौजूद है **?**

(1) मिठास से भरा

(2) मस्त कर देने वाला

(3) स्वाभाविक अनुभव होने वाला

(4) उपर्युक्त सभी

4- लेखक ने किस घटना को हमारा परम सौभाग्य बताया है**?**

(1) संगीत के विषय में जानकारी प्राप्त होना (2) चित्रपट की लोकप्रियता का बढ़ना

(3) लता जी जैसी अद्भुत गायिका का हम सभी के बीच होना (4) उपरोक्त सभी बातों का

5- लता मंगेशकर की गायकी की विशेषताओं का वर्णन करने वाले संगीतकार निम्नलिखित में से कौन हैं**?**

(1) आनंद यादव

(2) विलायत खां
(3) मनोहर श्याम जोशी
(4) कुमार गंधर्व

6-लता के कारण **----------** संगीत को विलक्षण लोकप्रियता प्राप्त हुई है**,** यही नहीं लोगों का **----------**संगीत की ओर देखने का दृष्टिकोण भी एकदम बदला है । **(** सही युग्म का विकल्प चुनें **)**

(1) शास्त्रीय संगीत, चित्रपट संगीत
(2) चित्रपट संगीत, शास्त्रीय संगीत
(3) लोक संगीत, शास्त्रीय संगीत
(4) चित्रपट संगीत, लोक संगीत

7- कुंई की सतह किस परत पर बनाई जाती है **?**
(1) पत्थर की परत पर
(2) मिट्टी की परत पर
(3) खड़िया पट्टी की परत पर
(4) इनमें से कोई नहीं

8- कुंई राजस्थान के कुछ इलाकों में कौन **-** सी समस्या का समाधान देती हैं **?**
(1) सिंचाई की समस्या का
(2) पेय जल समस्या का
(3) पानी की समस्या का
(4) उपर्युक्त सभी

9- कुंई बनाने वालों कारीगरों को क्या कहा जाता है **?**
(1) चेजारो (चेलवांजी)
(2) बसौली
(3) चिलकारी
(4) इनमें से कोई नहीं

10- निजी होते हुए भी सार्वजनिक क्षेत्र में बनी हुई कुंइयों पर किसका अंकुश रहता है **?**
(1) परिवार का
(2) मुखिया का
(3) सभी लोगों का
(4) ग्राम समाज का

'खड– ब'(वर्णनात्मक प्रश्न**)**

प्रश्न **: 7** निम्नलिखित दिए गए शीर्षकों में से किसी एक विषय पर **120** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए **– 5**

(1) आज की तनावपूर्ण जीवन शैली
(2) दिन –प्रतिदिन बढ़ते अंधविश्वास
(3) सावन की पहली झड़ी
(4) खेलो,इंडिया खेलो

प्रश्न**- 8** किसी एक विषय पर पत्र लिखिए**-**
5

आपके क्षेत्र में बस स्टैंड पर शेड नहीं है, जिससे आने-जाने वालों को मौसम की मार झेलनी पड़ती है। स्टैंड पर शेड लगवाने हेतु परिवहन विभाग, शाहजहांपुर के अधीक्षक को पत्र लिखिए ।

अथवा

संपादक, अमर उजाला, बरेली को शहर में चल रहे स्वच्छता अभियान और सौंदर्यीकरण की जानकारी देते हुए एक पत्र लिखिए ।

प्रश्न**- 9 1.** नीचे दी गए किसी एक अवसर की डायरी **60** शब्दों में लिखिए **- 3**

(1) परीक्षा में आपको सर्वोत्तम अंक मिले हैं।
(2) आज आपने पहली बार भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया ।

2. डायरी लेखन की किन्ही तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

प्रश्न**- 10** शब्द कोश से संबंधित दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर लगभग **40–40** शब्दों में दीजिए **-** **2 x 2=4**

(1)शब्द कोश क्या है? इसका महत्त्व बताइए ।
(2)हिंदी शब्द कोश की प्रमुख विशेषताएं लिखिए ।
(3)अवरोध, विशेषताएं ,उम्मीद , सौंदर्य ,अहंकार , क्षितिज-शब्दों को हिंदी शब्द-कोश के अनुसार क्रम में लिखिए ।

प्रश्न **-11** निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में दीजिए-
3 x 2 = 6

मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई
जाके सिर मोर मुकुट मेरो पति सोई
छांड़ि दई कुल की कानि, कहा करिहै कोई
संतन ढिग बैठि- बैठि, लोक लाज खोई
अंसुअन जल सींचि -सींचि, प्रेम बेलि बोई
अब तो बेलि फैलि गई , आनंद फल होई
दूध की मथनियां बड़े प्रेम से बिलोई
दधि मथि घृत काढ़ि लियो डारि दई छोई
भगत देखि राजी भई , जगत देखि रोई
दासी मीरा लाल गिरधर तारो अब मोही ।

(1) 'दधि मथि घृत काढ़ि लियो' का उदाहरण देकर मीरा क्या समझाना चाहती है?
(2) भक्तों देख कर प्रसन्न और जगत को देख कर मीरा क्यों रोती हैं?
(3) संतों के साथ बैठ कर मीरा के जीवन में क्या -क्या बदलाव आए?

प्रश्न **-12** निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में दीजिए-
2 x 2 = 4

मैंने कहा कि चंपा , पढ़ लेना अच्छा है
ब्याह तुम्हारा होगा, तुम गौने जाओगी ,
कुछ दिन बालम संग साथ रह चला जाएगा जब कलकत्ता,
बड़ी दूर है वह कलकत्ता
कैसे उसे संदेसा दोगी
कैसे उसके पत्र पढ़ोगी
चंपा पढ़ लेना अच्छा है।

(1) कवि ने चंपा को पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए क्या तर्क दिया ?
(2) कलकत्ता जाने की बात से क्या पता चलता है?
(3) बड़ी दूर है कलकत्ता, फिर भी लोग कलकत्ता क्यों जाते हैं?

प्रश्न**- 13** निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में दीजिए-
3 x 2 = 6

उस सीन की बाकी की शूटिंग हमने उसके अगले साल शरद ऋतु में जब फिर से वह मैदान काश फूलों से भर गया, तब की। उसी समय रेलगाड़ी के भी शॉट्स लिए । लेकिन रेलगाड़ी के इतने शॉट्स थे कि एक रेलगाड़ी से काम नहीं चला। एक के बाद एक तीन रेलगाड़ियों को हमने शूटिंग के लिए इस्तेमाल किया। सुबह से लेकर दोपहर तक कितनी रेल गाड़ियां उस लाइन पर से जाती हैं यह पहले ही टाइम टेबल देख कर जान लिया था। हर एक ट्रेन एक ही दिशा में आने वाली थी। जिस स्टेशन से भी रेलगाड़ियां आने वाली थीं, उस स्टेशन पर हमारी टीम के अनिल बाबू थे। रेलगाड़ी स्टेशन से निकलते समय अनिल बाबू भी इंजन ड्राइवर की केबिन में चढ़ते थे, क्योंकि गाड़ी के शूटिंग की जगह के पास आते ही बॉयलर में कोयला डालना जरूरी था, ताकि काला धुंआ निकले ।सफेद काश फूलों की पृष्ठभूमि पर अगर काला धुआं नहीं आया, तो दृश्य कैसे अच्छा लगेगा?

(1) लेखक ने आधे सीन की शूटिंग कब की तथा क्यों की ?
(2) अनिल बाबू कहां रुके थे? इंजन ड्राइवर के केबिन में क्यों चढ़ते थे?
(3) काले धुंए की ज़रूरत क्यों थी?

प्रश्न **– 14** निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में दीजिए-
2 x 2 = 4

बिछड़न समय बड़ा करूणोत्पादक होता है। आपको बिछड़ते देखकर आज हृदय में बड़ा दुख है । माई लार्ड! आपके दूसरी बार इस देश में आने से भारतवासी किसी प्रकार प्रसन्न न थे। वह तो यही चाहते थे कि आप फिर ना आवें। पर आप आए हैं और उससे यहां के लोग बहुत ही दुखी हुए। वे दिन-रात यही मनाते थे कि जल्द श्रीमान यहां से पधारें। पर अहो! आज आपके जाने पर हर्ष की जगह विषाद होता है। इसी से जाना कि बिछड़न समय बड़ा करुणोत्पादक होता है, बड़ा पवित्र, बड़ा निर्मल और बड़ा कोमल होता है। बैर भाव छूटकर शांत रस का आविर्भाव उस समय होता है।

(1) बिछड़न का समय कैसा होता है? और क्यों?
(2) लेखक किसके बिछड़ने की बात कर रहा है? वह कहां जा रहा है?

(3) कर्ज़न के जाने के समय हर्ष की जगह विषाद क्यों हो रहा है?